नवभारत

2500 कातकरी परिवारों को राशन

वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग मुकुल माधव फाउंडेशन की पहल

■ **पुणे,** (सं.) फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज व मुकुल माधव फाउंडेशन द्वारा वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से कातकरी समुदाय के 2500 परिवारों को अनाज वितरित किया गया. इसमें मावल, भोर, वेल्हा, खेड़, जुन्नर, आंबेगाव जैसे छह तालुकाओं के कातकरी परिवार शामिल हैं. मावल तालुका में टेमघर बांध के पास स्थित लवार्डे गांव से यह उपक्रम शुरू हुआ. इस वक्त फिनोलेक्स इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष (कमर्शियल्स) बी. आर. मेहता, वनवासी कल्याण आश्रम के मनोज पोचत, दिलीप मेहता, प्रकाश किचडे, विनायक खाडे, महेश भुस्कुटे, मिलिंद करमरकर, सुरेश हणमंते, सुनील भोसले, स्थानीय समन्वयक विशाल भुरूक, मुकुल माधव फाउंडेशन के वरिष्ठ प्रतिनिधि जितेंद्र जाधव आदि उपस्थित थे.

लॉकडाउन की वजह से नहीं मिल रही मजदूरी

कातकरी समुदाय की आजीविका मुख्य रूप से जंगल से शहद, मोम, गोंद, आयुर्वेदिक दवा, मछली पकड़ने पर निर्भर है. हालांकि, पिछले डेढ़ साल से लॉकडाउन के कारण उनको मजदूरी नहीं मिल रही है. दूसरी लहर में मजदूरी का नुकसान हुआ है, इस समाज पर अकाल का समय आया है. यह बात ध्यान में रखकर वनवासी कल्याण आश्रम ने मुकुल माधव फाउंडेशन को मदद मांगी. फाउंडेशन की व्यवस्थापकीय संचालक रितू प्रकाश छाब्रिया ने तुरंत इस मदद के लिए हां कहा. 2500 परिवार को पंधरा दिन तक का अनाज दिया गया, ऐसे महेश भुस्कुटे ने बताया.

जरूरतमंदों तक पहुंचने का प्रयास जारी

बी. आर. मेहता ने कहा कि कातकरी समुदाय की समस्याओं को देखते हुए फाउंडेशन ने यह अनाज तत्काल उपलब्ध कराया है. पिछले एक साल से, फिनोलेक्स और मुकुल माधव फाउंडेशन देश भर में वंचितों को भोजन, दवा, चिकित्सा साहित्य और अन्य आवश्यक साहित्य प्रदान कर रहे हैं. रितु प्रकाश छाबरिया ने कहा कि पहाड़ी इलाकों में रहनेवाला यह कातकरी समाज छोटी छोटी चीजें जमा कर अपना उदरनिर्वाह करते हैं.

लेकिन कोरोना काल में उनका रोजगार छिन गया है. इनकी समस्या वनवासी कल्याण आश्रम ने हमें बताई. इस पहाड़ी समुदाय की मदद कर खुशी हो रही है. हम समाज के सभी वंचितों तक पहुंचने का प्रयास जारी रखेंगे.

Pune Edition
16-june-2021 Page No. 5
epaper.enavabharat.com